सुशांत सिंह राजूपत के निधन पर धोनी के कोच हैरान

खेल जगत हैरान

सुशांत (34) ने मुंबई स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके घर में काम करने वालों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सुशांत के निधन पर खेल जगत ने भी शोक व्यक्त किया है। कप्तान विराट कोहली, सचिन तेंडुलकर, रवि शास्त्री, अनिल कुंबले, महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल, टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा, कुश्ती खिलाड़ी बजरंग पुनिया ने सुशांत को श्रद्धंजलि दी है।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत के निधन पर धोनी के कोच हैरान, बोले– गहरे सदमे में हूंभारत को दो बार विश्व विजेता बनाने वाले क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर बनी फिल्म एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी में धोनी का किरदार निभाकर सुशांत सिंह राजपूत ने सभी की तारीफें बटोरी थीं। धोनी की फिल्म में धोनी जैसा बनने के लिए सुशांत ने काफी मेहनत की थी और इसके लिए वे धोनी के बचपन के कोच केशव बनर्जी के पास भी गए थे ताकि भारतीय कप्तान के बहुचर्चित हेलिकॉप्टर शॉट को लगाना सीख सकें। फिल्म में कई ऐसी चीजें थीं जो सुशांत ने धोनी की तरह ही की थीं और हेलिकॉप्टर शॉट उनमें से एक था। इस फिल्म में बनर्जी के रोल को अनुभवी अभिनेता राजेश शर्मा ने निभाया है। बनर्जी ने कहा सुशांत काफी अच्छे इंसान थे और उन्होंने फिल्म के लिए हेलिकॉप्टर शॉट तथा धोनी के तौर तरीके सीखने के लिए उनसे संपर्क किया था।

अब सिर्फ यादें हैं, मैं गहरे सदमे में हूं: उन्होंने कहा, 'मुझे याद है जब वह रांची में आए थे। हमने लंबी चर्चा की थी। मैं वहां था। माही के दोस्त वहां थे। वह हमेशा मुझसे कहते थे कि दादा, धोनी का हेलिकॉप्टर शॉट सिखा दो ना।' उन्होंने कहा, 'वह मुझसे पूछते थे कि माही कैसे खेलता है, उसके चेहरे के हावभाव क्या होते हैं। वह काफी फोकस थे।

मास्टर ब्लास्टर हो गए थे सुशांत की बैटिंग के फैन

अर्जुन तेंडुलकर की बाउंसर पर खेला था शॉट

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने रविवार को मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर में खुदकुशी कर ली। सुशांत के असमायिक चले जाने से बॉलीवुड के साथ–साथ क्रिकेट जगत भी सदमे में है। सुशांत ने महेंद्र सिंह धोनी की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनकी अदाकारी को काफी पसंद किया गया था। इस फिल्म के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की थी। आठ–नौ महीने उन्होंने क्रिकेट के हुनर को निखारा था। और वह इसमें इस हद तक निपुण हो गए थे कि सचिन तेंडुलकर भी उनकी बल्लेबाजी देखकर हैरान रह गए थे।

भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज किरण मोरे पर सुशांत को धोनी के रोल के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी थी। उस वक्त को याद करते हुए मोरे ने कहा, मैंने सचिन से कहा, यह हमारा ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत है। इस पर सचिन ने कहा, 'पूरा जबर्दस्त है। लगता ही नहीं कि कोई ऐक्टर नेट्स में खेल रहा है।

यह घटना तब की है कि जब सचिन अपने बेटे अर्जुन के साथ बांद्रा–कुर्ला कॉम्पलेक्स में गए थे। पिता–पुत्र की यह जोड़ी सुशांत के साथ वाले नेट में प्रैक्टिस कर रही थी।

ब्रेक के दौरान मोरे ने सचिन से बात की। उन्होंने एक स्पोर्ट्स वेबसाइट को बताया– वह लड़का कौन है, मुझे उसकी बल्लेबाजी पसंद है। जब मैंने उन्हें बताया कि वह बॉलीवुड ऐक्टर है जो महेंद्र सिंह धोनी फिल्म के लिए ट्रेनिंग कर रहा है, तो उन्होंने कहा, क्या बात करता है। और उन्होंने सुशांत की बल्लेबाजी की तारीफ की। सचिन ने तब कहा कि ऐसा नहीं लग रहा है कि कोई ऐक्टर नेट्स में खेल रहा है वह एक पूरा बल्लेबाज लग रहा है।

मोरे को याद है कि एक इनसान के तौर पर सुशांत हमेशा जोश से भरे हुए होते थे। उन्होंने रविवार को सुशांत के निधन के बाद यह घटना साझा की।

मोरे ने बताया, इसके बाद अर्जुन ने सुशांत को बोलिंग करना शुरू किया और मुझसे पूछा कि क्या वह बाउंसर फेंक सकते हैं। मैंने हामी भर दी और फिर सुशांत ने बाउंसर पर शानदार शॉट खेला। हर कोई उनकी बल्लेबाजी देखकर हैरान था। मोरे ने कहा, बेशकर, विकेटकीपिंग हर कोई नैचरल रूप से नहीं सीख सकता लेकिन सुशांत काफी मेहनती और आखिरकार उसने इसमें भी काफी अच्छा किया। यह इसलिए था क्योंकि उन्हें अपना रोल पसंद था। बल्लेबाजी करते हुए भी सुशांत ने रणजी ट्रॉफी स्तर के गेंदबाजों का सामना किया।

महज 7 मिनट में बना था टीम इंडिया का कोचः गैरी कर्स्टन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोचिंग में उनकी दिलचस्पी नहीं थी और उन्होंने भारतीय टीम के कोच पद के लिए आवेदन भी नहीं किया था लेकिन गैरी कर्स्टन को 2007 में केवल सात मिनट में यह महत्वपूर्ण पद मिल गया था जिसमें महान सुनील गावसकर की भूमिका भी अहम रही थी। कर्स्टन ने 'क्रिकेट कलेक्टिव' पॉडकास्ट में 2007 में घटी उन घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह सुनील गावसकर के निमंत्रण पर साक्षात्कार के लिए गए थे जो कि तब कोच चयन पैनल का हिस्सा थे। कर्स्टन के सामने उनके पूर्ववर्ती ग्रेग चौपल का अनुबंध रखा गया था और आखिर में उन्हें यह पद मिल गया। कर्स्टन ने कहा, 'मुझे सुनील गावसकर का ईमेल मिला था कि क्या मैं भारतीय टीम का कोच बनना चाहूंगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि यह मजाक है। मैंने इसका जवाब भी नहीं दिया। उन्होंने मुझे एक और मेल भेजा जिसमें कहा था, 'क्या आप साक्षात्कार के लिए आना चाहोगे। मैं उसे अपनी पत्नी को दिखाया और उसने कहा कि उनके पास कोई गलत व्यक्ति है।' कर्स्टन ने कहा, 'इस तरह से अजीबोगरीब ढंग से मेरा इस क्षेत्र में प्रवेश हुआ जो सही भी था। मेरे कहने का मतलब है कि मुझे कोचिंग का किसी तरह का अनुभव नहीं था।' कर्स्टन ने कहा कि जब वह साक्षात्कार के लिए भारत पहुंचे तो उन्हें तत्कालीन कप्तान अनिल कुंबले से मिलने का मौका मिला और दोनों मेरी दावेदारी की संभावना पर हंस पड़े थे। उन्होंने कहा, 'मैं साक्षात्कार के लिए पहुंचा तो कई अजीबोगरीब अनुभव हुए। जब मैं साक्षात्कार के लिए आया तो मैंने अनिल कुंबले को देखा जो तब भारतीय कप्तान था और उन्होंने कहा, 'तुम यहां क्या कर रहे हो।' मैंने कहा कि मैं आपका कोच बनने के लिए साक्षात्कार देने आया हूं।' कर्स्टन ने कहा, 'हम इस पर हंस पड़े थे। यह हंसने वाली बात भी थी।'

घरेलू क्रिकेट खेलना चाहते हैं कनेरिया पीसीबी से बैन हटाने को कहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पूर्व पाकिस्तानी लेग स्पिनर दानेश कनेरिया ने अपने क्रिकेट बोर्ड से उन पर 2013 में स्पॉट फिक्सिंग के लिए लगाया गया आजीवन प्रतिबंध हटाने की अपील की है। पाकिस्तान की तरफ से 61 टेस्ट मैचों में 261 विकेट लेने वाले कनेरिया क्रिकेट में वापसी के लिए बेताब है और यहां तक कि वह घरेलू क्रिकेट में खेलने के लिए भी उत्सुक हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष एहसान मनि को भेजे गए पत्र में 39 वर्षीय कनेरिया के कानूनी फर्म ने बैन हटाने की गुजारिश की जिससे यह क्रिकेटर खेल को जरिए अपनी आजीविका चला सकें।

कनेरिया पर इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आजीवन प्रतिबंध लगाया था। जब इसके खिलाफ उनकी अपील खारिज हो गई तो पीसीबी ने भी उन पर प्रतिबंध लगा दिया था। कनेरिया पूर्व में भी कई बार कह चुके हैं कि अगर मोहम्मद आमिर और सलमान बट जैसे खिलाड़ियों पर से प्रतिबंध हटाया जा सकता है तो फिर उन्हें अपनी आजीविका चलाने से वंचित करना अनुचित होगा। वह लंबे समय से पीसीबी से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

न्यूज डायरी

बेहतर फेयरवेल के हकदार थे लक्ष्मण, गंभीर और सहवागः हरभजन सिंह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। खिलाड़ियों की विदाई का मुद्दा भारतीय क्रिकेट में हमेशा से अहम रहा है। हर खिलाड़ी चाहता है कि वह मैदान से खेल को अलविदा कहे लेकिन हर किसी का यह सपना पूरा नहीं हो पाता। दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। हरभजन ने कुछ ऐसे खिलाड़ियों का जिक्र किया है जिन्हें वह बेहतर विदाई का हकदार मानते हैं। आकाश चोपड़ा के साथ यूट्यूब चौनल पर बात करते हुए हरभजन ने कहा कि अगर हम अपने खिलाड़ियों का सम्मान नहीं करेंगे तो बाहर भी कोई ऐसा नहीं करेगा। उन्होंने निराशा जताते हुए कहा कि वह नहीं चाहते कि जैसा उनके साथ हुआ है वैसा किसी दूसरे के साथ हो। भारत के लिए 103 टेस्ट, 236 वनडे इंटरनैशनल और 28 टी20 इंटरनैशनल मैच खेलने वाले इस 39 वर्षीय स्पिनर ने सीमित ओवरों के प्रारूप में 294 विकेट लिए हैं।

एश्ले बार्टी भी यूएस ओपन के खिलाफ, बोलीं– कोरोना काल में आयोजन चिंताजनक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रिस्बेन। विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी एश्ले बार्टी भी उन खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने कोरोना वायरस को लेकर अनिश्चितता के बावजूद यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के आयोजन पर चिंता जताई है। बार्टी को अभी फ्रेंच ओपन के खिताब का बचाव करने का मौका नहीं मिला क्योंकि सभी टेनिस प्रतियोगिताएं ठप्प पड़ी हैं। वह जानती हैं कि 2020 में विंबलडन नहीं होगा लेकिन वह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन को लेकर स्पष्ट फैसले का इंतजार कर रही हैं। नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल भी यूएस ओपन के लिये खिलाड़ियों पर संभावित प्रतिबंधों और अन्य बदलावों को लेकर आशंकाएं जता चुके हैं। रिपोर्टों के अनुसार विश्व की नंबर दो महिला खिलाड़ी सिमोना हालेप का खेलना भी संदिग्ध है। बार्टी ने कहा, 'मैं भी चिंतित हूं। मैं जानती हूं कि आयोजक टूर्नामेंट के आयोजन के इच्छुक हैं लेकिन हर किसी को सुरक्षित रखना प्राथमिकता होनी चाहिए।'

विजय हजारे, दलीप और देवधर ट्रॉफी को रद्द कर देना चाहिएः वसीम जाफर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और घरेलू दिग्गज वसीम जाफर का मानना कि कोविड–19 महामारी के मद्देनजर विजय हजारे, दलीप और देवधर ट्रॉफी को इस सत्र में रद्द कर दिया जाना चाहिए और इसके बजाय उस समय का उपयोग रणजी ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली टी 20 के आयोजन के लिए किया जाना चाहिए। जाफर चाहते हैं कि यह सुनिश्चित किया जाए कि खिलाड़ियों को आराम के लिए पर्याप्त समय मिले और वे विभिन्न टूर्नामेंटों के लिए जल्दबाजी में ना रहे। घरेलू सत्र की शुरुआत अगस्त में होने की उम्मीद है, लेकिन देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे है। ऐसे में बीसीसीआई ने गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए प्रतीक्षा करने की नीति अपनायी है। जाफर ने कहा, 'जब भी सत्र शुरू होगा तो पहली प्राथमिकता आईपीएल आयोजित करने की होगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) पहले टूर्नामेंट के रूप में आईपीएल के साथ शुरुआत कर सकता है।'

फैन ने पूछा तिहरा या टी–20 में दोहरा शतक... रोहित शर्मा ने दिया रोचक जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। फैन ने पूछा वनडे में तिहरा या टी–20 में दोहरा शतक... रोहित शर्मा ने दिया रोचक जवाबकोरोना वायरस के खौफ काल में हिटमैन रोहित शर्मा सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं। उन्होंने इस क्रम में अपने चाहने वालों के सवालों के जवाब इंस्टाग्राम स्टेटस के माध्यम से दिए हैं। इस दौरान उनसे फैन्स ने सचिन तेंडुलकर और वीरेंदर सहवाग में बेहतर कौन? वनडे में 300 या टी–20 में 200 रन जैसे सवाल पूछे हैं। उन्होंने इस सवाल का जवाब देते हुए लिखा– किना अच्छा होगा अगर दोनों हो तो? बता दें कि वनडे में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर 264 रनों का वर्ल्ड रेकॉर्ड रोहित के नाम ही है। वह वनडे में वर्ल्ड रेकॉर्ड 3 बार दोहरा शतक लगा चुके हैं। हिटमैन ने जवाब देने से बचते हुए लिखा– मरवाओगे क्या? यूजर ने विराट कोहली की स्पेलिंग गलत लिखी थी, जिसकी ओर रोहित ने इशारा करते हुए लिखा– स्पेलिंग चेक कर लें।